|  |
| --- |
| 12. Juni 2022 |
| **Dreifaltigkeitssonntag C** |
| Erste Lesung: Spr 8, 22-31; 2. Lesung: Röm 5,1-5; Evangelium: Joh 16,12-15  |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 393, 1-3 | Nun lobet Gott im hohen Thron |
|  | GL 144, 1+4+7 | Nun jauchzt dem Herren alle Welt |
|  | GL 704, 1-4! | Dir, Vater tönt der Lobgesang |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 156 | Herr, erbarme dich |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 715 | Es jubelt aller Engel Chor |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Psalm 8, 4-9 |  |
|  | Kehrvers:  |  |
|  | GL 33,1 | Herr, unser Herrscher |
|  | oder |  |
|  | GL 411 | Erde, singe, dass es klinge |
|  | GL 412 | Die Herrlichkeit des Herrn |
|  | GL 619, 1+2 | Alles, was Odem hat |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Ehre sei dem Vater und dem Sohn und dem Heiligen Geist.* |
|  | *Ehre sei dem einen Gott,* |
|  | *der war und der ist und der kommen wird.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 354 | Gott ist dreifaltig einer |
|  | GL 491, 1!-3 | Ich bin getauft |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 352, 1-6 | O heiligste Dreifaltigkeit |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 196 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 202 | O du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung:  | GL 363, 1-5 | Erhabene Dreifaltigkeit |
|  | GL 456, 4 | Vater unsres Lebens |
|  | GL 769, 1-5 | Dreifaltiger, verborgner Gott |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 405, 1-3! | Nun danket alle Gott |
|  | oder ein Marienlied |